2. बोलना-सुनना, पढ़ना-लिखना

बच्चे भाषा अपने परिवार से ही सीखते हैं पर भाषा के स्वरूप को विद्यालय में ही जान पाते हैं। बोलना-सुनना और पढ़ना-लिखना ये भाषा का मुख्य आधार होते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ बच्चों से पूछें, वे अपनी बात दूसरों को कैसे बताते हैं?

  बच्चे उत्तर देंगे– बोलकर।

- ❖ फिर उनसे पूछें, बोलकर बताने के अलावा और किस तरह से हम अपनी बात दूसरों को बता सकते हैं?

  बच्चे उत्तर देंगे– लिखकर।

- ❖ तदुपरांत बच्चों को समझाएँ, जब हम बोलते हैं तो दूसरा उसे सुनता है। जब हम लिखते हैं तो दूसरा उसे पढ़ता है।

- ❖ इसी बातचीत को आधार बनाते हुए पुस्तक पृष्ठ-5 पर बच्चों का ध्यान लाएँ। पूछें, इस चित्र में क्या हो रहा है? बच्चे अपनी-अपनी तरह से उत्तर देंगे। इसी तरह पृष्ठ-6 पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों से चर्चा करें।

- ❖ समझाएँ, हम सभी बोलकर, सुनकर, लिखकर तथा पढ़कर ही अपनी बात दूसरों तक पहुचाते हैं तथा उनकी बात को समझते हैं।

- ❖ 'देखें कितना सीखा' के अंतर्गत दिए गए अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें।